उत्तर प्रदेश में संक्रामक रोगों के खिलाफ अभियान शुरू करने की तैयारी

चर्चा में क्यों?

23 जून, 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए अधिकारियों से राज्य को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य वेक्टरजनित बीमारियों से बचाने के लिये नियमित स्वच्छता और फॉगिंग अभियान सुनिश्चित करने को कहा है।

प्रमुख बिंदु

- जलजनित बीमारियों और अन्य मौसमी अनियमितताओं से उत्पन्न स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिये 1 जुलाई से संचारी रोगों के खिलाफ यह राज्यव्यापी विशेष अभियान शुरू किया जाएगा।
- गौरतलब है कि प्रत्येक वर्ष जून से नवंबर तक, राज्य के पूर्वांचल क्षेत्र में बड़ी संख्या में बच्चे जापानी इंसेफेलाइटिस से प्रभावित होते हैं। सरकार द्वारा किये गए सतत् प्रयासों के कारण ही न केवल इस बीमारी के प्रसार को नियंत्रित किया गया है, बल्कि इससे होने वाली मौतों में भी 95 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है।
- इसी संदर्भ में अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतते हुए, राज्य सरकार ने पीआईसीयू बेड और प्रशिक्षित चिकित्साकर्मियों से लैस ब्लॉक स्तर पर इंसेफेलाइटिस देखभाल केंद्र स्थापित किये हैं।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश में बहुत जल्द ही कालाज़ार से मुक्ति के साथ ही मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सकेगा। ताजा आँकड़ों के अनुसार राज्य में मलेरिया प्रति 1,000 जनसंख्या पर एक से कम तथा कालाज़ार रोग प्रति 10,000 जनसंख्या पर एक से कम में देखा गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/preparations-to-start-campaign-against-infectious-diseases